भाजपा का लोकसभा चुनाव में पिछले चुनाव से बेहतर प्रदर्शन रहेगा. दुमका व राजमहल सीट जो पिछली बार भाजपा हार गयी थी. वह भी भाजपा की झोली में इस बार होगी.
रघुवर दास, मुख्यमंत्री.

अन्नपूर्णा देवी व अन्य नेताओं के भाजपा में जाने के बाद से सिर्फ हजारीबाग के जिलाध्यक्ष ने पार्टी छोड़ी है. शेष सभी जिलों में पार्टी इंटैक्ट है. पलामू से घुरन राम व चतरा से सुभाष यादव लड़ेंगे.
गौतम सागर राणा, राजद.

गप्पू चचा

इ तो क्रिकेट के बॉल हो गये हैं

एक क्रिकेटर नेताजी हैं. हैं तो बिहारे के, लेकिन दल बदल लिये पर बिहार में दाल नहीं गल रही. अब खबर है कि झारखंड के धनबाद से उन्हें भिड़ाया जा सकता है. नेता जी का हाल ये है कि कभी इस सीट से तो कभी उस सीट से केवल लड़ने की चर्चा होती है पर टिकट कहीं से मिल नहीं रहा है. उनकी अपनी सीट महागठबंधन के सहयोगी दल को चला गया. नेता जी परेशान हो गये कि जिसके लिए पार्टी बदल दिया, अब वह भी सीट भी नहीं रहा. उन्हें बिहार में भी कभी इस सीट से तो कभी उस सीट लड़ाने की बात हो रही है. इधर, धनबाद में दो महाबली हाथ अड़ाये हुए हैं. अब आलाकमान इन दोनों महारथियों से परेशान होकर क्रिकेटर नेताजी को झारखंड भेजने का मन बन रहा है. अब उनकी नयी नवेली पार्टी के ही लोग कहने लगे हैं नेताजी क्रिकेटर हैं और क्रिकेट का बॉल हो गये हैं. कोई उन्हें दो रन के लिए मार रहा है, तो कोई एक रन के लिए. अब तो उन्हें सीधे बाउंड्री पार भेजने की तैयारी चल रही है.

ई ठीक है

मेरे पास तो शब्द नहीं हैं पढ़े-लिखे युवाओं के सपनों से खेलने वाले बेहद झूठा पार्टी के मूर्खमंत्री को कहने को क्योंकि जिनका सपना ही युवाओं से पकौड़े, केले और चौकीदार बनाने का है. उनसे उम्मीद ही क्या रखें.
हेमंत सोरेन, झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री

फर्क साफ है. सत्ता भोग के 55 साल में देश में सिंचाई व्यवस्था के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया था. मोदी जी के सेवा भाव के 55 महीने में वर्षों से लटकी 99 सिंचाई परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया.
सत्येंद्र नाथ तिवारी, गढ़वा के भाजपा विधायक

गोड्डा, दुमका और राजमहल लोकसभा क्षेत्र में चुनाव तैयारियों की समीक्षा की. क्षेत्र के कार्यकर्ता साथियों और जनता के बीच मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने को लेकर गजब का उत्साह दिखा. आप सभी से अपील है वोट करने जरूर जायें.
रघुवर दास, मुख्यमंत्री, झारखंड

यही है मेरी पसंद

दूरदृष्टि, संवेदनशील व ईमानदार हो हमारा सांसद

जनप्रतिनिधियों को निःस्वार्थ तथा विजनरी होना चाहिए. आज के समय में दूरदृष्टि रखनेवाला, संवेदनशील व ईमानदार सांसद की जरूरत है. सांसद ऐसा होना चाहिए, जिसकी प्राथमिकता क्षेत्र का विकास हो. उसके पास ऐसी सोच होनी चाहिए, जो दूसरे को भी प्रेरित करे. चुनाव जीतने के बाद अपने क्षेत्र के विकास पर ध्यान दे. तकनीकी विशेषज्ञों का भी सहयोग ले तथा अपने संसदीय क्षेत्र को सर्वश्रेष्ठ बनाने का प्रयास करे. रोजगार पैदा करनेवाले कार्यक्रमों को लागू करने पर विशेष ध्यान दे, ताकि अपने क्षेत्र के बेरोजागारों को रोजगार मिल सके. विकास के मामले में भेदभाव नहीं करे, बल्कि हर किसी को एक समान भावना से देखे. हमारा देश कैसे आगे बढ़ेगा, समस्याएं कैसे दूर होंगी, गरीबी कैसे कम की जा सकती है, लोगों की बुनियादी जरूरतें हम कैसे पूरा कर सकते हैं, इन विषयों की समझ रखनेवाला व काम करनेवाले को प्रतिनिधि चुनना चाहिए. हमारा प्रतिनिधि निष्पक्ष भी रहे. जो लोगों की सेवा करने में वर्षों से लगा हुआ हो, लोगों के बीच रहता हो, वह समाज के लिए आदर्श हो. लोगों के सुख-दुःख में खड़ा रहे. जीतने के बाद भी जनता के बीच में ही रहे. जनता की समस्या को संसद में उठाये. क्षेत्र के साथ-साथ देश की मजबूती के लिए काम करे.
डॉ एसके वर्मा, महासचिव, बार एसोसिएशन झारखंड हाइकोर्ट

इनकी भी सुनें

हमें ऐसा सांसद चाहिए, जो देशहित में काम करे. देश को मजबूती दे तथा भारत को विश्व की महाशक्ति बनाने में सरकार को सहयोग करे. बेरोजगारी को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने व रोजगार उपलब्ध कराने की योजना लागू कराये. जीतने के बाद भी अपने क्षेत्र से जुड़ा रहे. समस्याओं को सुलझाये.
रंजन कुमार झा, गौरीशंकर नगर निवासी

जनप्रतिनिधि को हमेशा दूरदृष्टि रखना चाहिए. विकास ही उसका विजन हो. क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने को प्राथमिकता दे. देश को मजबूत करने के लिए दलगत नीतियों से बाहर निकले, क्योंकि जीतने के बाद कोई भी सांसद पार्टी का नहीं, बल्कि देश का सांसद होता है.
विद्यासागर, अधिवक्ता, हाइकोर्ट

क्षेत्र की समस्याओं को अपनी समस्या माने. उसका समाधान निकालने का प्रयास करे. वह अपनी जिम्मेवारियों को समझे. जनता के बीच रह कर उनके विकास में सहभागी बने. लोगों की समस्या को सुलझाने में लगा रहे. देश को मजबूत करने में अपना योगदान दे.
नवीन कुमार झा, व्यवसायी, डोरंडा

स्थानीय स्तर पर लोगों के बीच रहनेवाले को सांसद चुना जाना चाहिए, ताकि वह जीतने के बाद क्षेत्र के विकास पर अपना पूरा ध्यान दे सके. वह युवा हो तथा उसकी सोच निःस्वार्थ हो. लोगों की निःस्वार्थ भाव से सेवा करता हो. साथ ही वह ईमानदार व संवेदनशील भी हो, तभी लोगों की समस्याएं दूर होंगी.
अशोक कुमार, रोड नंबर-तीन किशोरगंज निवासी

महिलाओं की सुरक्षा व रोजगार उपलब्ध कराने को प्राथमिकता देनेवाला हो. क्षेत्र में सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेता हो. जनता के बीच रहता हो तथा क्षेत्र की समस्या के समाधान के लिए हमेशा प्रयास करनेवाला हो. उस पर लोग भरोसा कर सकें.
दिलीप कुमार श्रीवास्तव, अधिवक्ता, सदाबहार चौक नामकुम.

आमने-सामने : लोहरदगा संसदीय क्षेत्र

घर का बेटा हूं, बेटे की तरह ही काम करता रहूंगा : सुदर्शन भगत

दुर्जय पासवान ▷ गुमला

सांसद का दावा

भाजपा के सुदर्शन भगत करीब 10 वर्षों से लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के सांसद हैं. दोनों बार श्री भगत ने कांग्रेस के डॉक्टर रामेश्वर उरांव को हराया. इस बार पार्टी ने सुदर्शन भगत पर विश्वास जताया है. वहीं कांग्रेस में अभी तक किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई है. 2014 के बाद पांच वर्षों में सुदर्शन भगत ने क्या काम किया और कांग्रेस के रामेश्वर उरांव भाजपा के कामों से कितना संतुष्ट हैं. दोनों नेताओं से **प्रभात खबर** ने बात की है.

सांसद सह राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने कहा है कि मैं अपने 10 साल के कार्यकाल में लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत पड़नेवाले सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास का काम किया हूं. इसका गवाह मेरा काम व जनता है. मैं घर का बेटा हूं. बेटा बन कर काम करता रहूंगा. इस बार भी जनता मेरे साथ है, क्योंकि उनका बेटा सुदर्शन भगत चुनाव मैदान में है. जनता की जो भी समस्या मेरे पास पहुंची है. उन समस्याओं को मैं दूर करता रहा हूं. कुछ काम करना अभी बाकी है. जनता का साथ मिला तो सभी अधूरे काम को पूरा करूंगा. मैंने अपने कार्यकाल में कई बड़ी योजनाओं को पूर्ण कराया हूं. कुछ योजनाओं पर काम चल रहा है.

टैसेरा से मुरकुंडा तक सड़क बन गयी है. कुम्हारी तक काम चल रही है. शहीद नायमन कुजूर पथ पर काम चल रहा है. चैनपुर, नवगई व जैरागी पथ बन रही है. छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर से लेकर गुमला होते हुए लातेहार के महुआडाड़ तक सड़क बन रही है. यह सीधे नेशनल हाइवे से जुड़ रही है. बाइपास सड़क का काम अंतिम चरण में है. इस साल के अंत तक सड़क बन जायेगी. जोलोघाट में हाईलेबल पुल बन रहा है. एक महीने में पूर्ण हो जायेगी. बालाघाट में पुल बन गयी है. ओलमुंडा घाट में पुल बन रहा है. पॉलिटेक्निक कॉलेज में जल्द पढ़ाई शुरू होगी. आकांक्षी योजना से सभी राजस्व गांव में बिजली पहुंच गयी है. कुछ गांव व टोले छूटे हैं, तो उन गांवों में पंडित दीनदयाल योजना से बिजली पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है.

फैक्ट शीट

12, 10,486 कुल वोटर
7,04,866 वोट पड़े
58.23 % : पोल प्रतिशत
2,26,666 (50.72%) भाजपा को मिले वोट
2,20,177 (49.27%) कांग्रेस को मिले वोट
6,489 : जीत का अंतर

सुदर्शन के दर्शन को तरस गयी जनता : रामेश्वर उरांव

वर्ष 2014 के चुनाव में कांग्रेस के डॉक्टर रामेश्वर उरांव दूसरे नंबर पर थे. उन्होंने सुदर्शन भगत के कामों के लिए जीरो नंबर दिया है. श्री उरांव ने कहा है कि सुदर्शन भगत भाजपा के सबसे नकारा सांसद हैं. अपने कार्यकाल में कभी जनता के मुद्दे नहीं उठाये. सांसद रहने के साथ सुदर्शन भगत कई विभागों के मंत्री रहे. लेकिन किसी भी विभाग में वे काम नहीं कर सके. जिस कारण भाजपा उन्हें नकारा मानते हुए विभाग बदलता रहा. नेता का काम दिखता है. लेकिन सुदर्शन भगत का काम पूरे लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में नहीं दिख रहा है. कभी किसी गांव में गये नहीं हैं. अगर कुछ गांवों में गये हैं तो योजनाएं शिलान्यास करने गये हैं. लेकिन उन योजनाओं को अभी तक पूर्ण नहीं कराया. बाइपास सड़क अभी तक बन जाना चाहिए था. लेकिन सुदर्शन भगत 10 साल तक सांसद रहने के बाद भी सड़क नहीं बनवा सके. आज भी गुमला के लोग बाइपास सड़क नहीं रहने से परेशान हैं. लोहरदगा में बाइपास सड़क बनना है. इसके लिए फंड भी जिला को प्राप्त हुआ. लेकिन सुदर्शन भगत के कारण पैसा वापस हो गया. मैं जहां भी जा रहा हूं. जनता पूछ रही है कि सुदर्शन भगत 10 साल तक कहां थे. तो भाई मैं अब क्या जवाब दूं. इसका मतलब है कि सुदर्शन भगत अपने क्षेत्र से गायब रहे. किस्को प्रखंड के लोगों ने मुझे कहा कि सुदर्शन भगत 10 साल तक सांसद रहने के बाद भी एक बार किस्को प्रखंड नहीं आये.

विपक्ष का आरोप

झारखंड में लगभग सभी दलों का अपना ट्विटर और फेसबुक एकाउंट

सोशल मीडिया में भी एक-दूसरे को टक्कर दे रहे हैं प्रदेश के नेता

सुनील चौधरी ▷ रांची

चुनाव इस बार जितनी जमीन पर लड़ी जा रही है, उतना है सोशल मीडिया पर भी. सोशल मीडिया यानी फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, मैसेंजर के साथ-साथ ब्लॉग भी. भारत की सवा अरब जनसंख्या में लगभग 70 करोड़ लोगों के पास फोन हैं. इनमें से 25 करोड़ लोगों की जेब में स्मार्ट फोन है. 15.5 करोड़ लोग हर महीने फेसबुक पर आते हैं और 16 करोड़ लोग हर महीने व्हाट्सएप पर रहते हैं. इन आंकड़ों को देखें, तो ये समझना मुश्किल नहीं कि राजनीतिक पार्टियां ऑनलाइन कैंपेन या कहें कि सोशल मीडिया के इस्तेमाल को तवज्जो क्यों दे रही हैं. झारखंड के राजनीतिक दलों और नेताओं में भी इस बार सोशल मीडिया के इस्तेमाल का प्रचलन बढ़ा है.

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने जिस तरह सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया, उसे देख कर अब सारी पार्टियां अब इस लड़ाई में कूद पड़ी हैं. सोशल मीडिया के जरिये राजनीतिक दल लोगों तक पहुंचने के लिए हर तरह की कोशिश कर रहे हैं. झारखंड में भाजपा, झामुमो, झाविमो, कांग्रेस, राजद जैसे प्रमुख दल के नेता आजकल लगातार सोशल मीडिया में छाये हुए हैं. लगभग सभी दलों का अपना-अपना ट्विटर और फेसबुक एकाउंट है.

अब तक रघुवर और भाजपा आगे

भाजपा का ट्विटर एकाउंट बीजेपी फोर झारखंड है. वहीं मुख्यमंत्री रघुवर दास ट्वीट के लिए प्रसिद्ध हैं. लगातार उनका ट्वीट उनके ट्विटर एकाउंट से होता है. वहीं भाजपा के सरयू राय, राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, अशोक कुमार, सीपी सिंह भी ट्विटर पर हैं. फेसबुक में गोड्डा के सांसद और भाजपा नेता निशिकांत दूबे का पेज है. भाजपा के अन्य प्रमुख नेताओं में नवीन जायसवाल, विरंची नारायण, निर्भय शाहाबादी, रवींद्र राय, सुनील सिंह, पीएन सिंह, नीरा यादव, संजय सेठ, दीपक प्रकाश, प्रतुल शाहदेव, दीनदयाल बर्णवाल, व अन्य कई नेता लगातार सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं.

कांग्रेस और झाविमो भी पीछे नहीं

ट्विटर पर कांग्रेस के डॉ अजय कुमार, सुबोधकांत सहाय, झाविमो के बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव भी सक्रिय हैं. बाबूलाल मरांडी का फेसबुक पेज मरांडी फोर कोडरमा भी तैयार हुआ है. वह कोडरमा से चुनाव लड़ रहे हैं. वहीं प्रदीप यादव का भी फेसबुक पेज बना है. सुबोधकांत सहाय भी फेसबुक पर सक्रिय रहते हैं. कांग्रेस के तमाम प्रवक्ता भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं.

ट्विटर चौपाल तक आयोजित हो रहा

सोशल मीडिया का महत्व अब इतना बढ़ गया है कि परंपरागत पार्टी का तमगा लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार-प्रसार के लिए ट्विटर चौपाल तक आयोजित कर डाला. 13 मार्च को वे राजधानी के सोहराय भवन से ट्विटर के जरिये लोगों से सीधे जुड़े. जिसे ट्विटर चौपाल का नाम दिया गया. झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन का ट्वीट भी दिनभर में औसतन 10 से 12 के करीब होता है. हेमंत सोरेन के ट्वीट में ज्वलंत मसले को लेकर लगातार सत्ताधारी दल को घेरा जाता है.

शिबू सोरेन भी ट्विटर और फेसबुक पर

झारखंड मुक्ति मोर्चा परंपरागत कैडरों वाला दल रहा है. जहां कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा करने के लिए नगाड़ा बजाया जाता है. आज उसी पार्टी के प्रमुख शिबू सोरेन भी चुनाव के मैदान में सोशल मीडिया से जुड़ गये हैं. शिबू सोरेन ट्विटर, फेसबुक और मैसेंजर से जुड़े हुए हैं. वह दुमका के सांसद भी हैं और एक बार फिर दुमका से चुनाव लड़ने जा रहे हैं. झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य बताते हैं कि पार्टी के तमाम लोगों का ट्विटर और फेसबुक एकाउंट बनता जा रहा है. पर सबको पार्टी वेरीफाइ करके ही इजाजत देती है.

दलों का वार रूम भी है तैयार

झारखंड में प्रमुख दलों ने वार रूम तैयार कर लिया है. वार रूम से ही सोशल मीडिया का संचालन होता है. क्या मैटर देना है, किन मुद्दों को उठाना यह सब वार रूम से ही तय होता है. किसी नेता के बयान की काट क्या होगी, इसका डाटा भी वार रूम द्वारा तैयार किया जाता है. किस नेता ने कब क्या बोला था और अब क्या बोल रहा है. इसका रिकार्ड भी वार रूम में रखा जाता है. जिसे समय-समय पर फेसबुक, ट्विटर पर पोस्ट किया जाता है.

भाजपा का वार रूम पहले से ही तैयार है

भाजपा का वार रूम हरमू कॉलोनी में दो स्थानों से संचालित होता है. जहां लगभग 40 युवाओं की टीम है. जो पूरी तरह कंप्यूटर और मोबाइल में दक्ष हैं. ये प्रोफेशनल्स की तरह काम करते हैं. पार्टी के ट्विटर और फेसबुक और कई व्हाट्सएप ग्रुप का संचालन यहीं से होता है. इस बाबत पूछे जाने पर भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने इतना ही बताया कि भाजपा आरंभ से ही सोशल मीडिया पर है. हमारा ध्यान सोशल मीडिया पर हमेशा रहता है और जवाब भी दिया जाता है.

झामुमो का वार रूम बन रहा है

झामुमो का हालांकि जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक फेसबुक और ट्विटर है. पार्टी के प्रवक्ता अभिषेक कुमार पिंटु बताते हैं कि प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर, पंचायत स्तर और बूथ स्तर तक वार रूम बन रहा है. अगले चार से पांच दिनों में इसे सुदृढ़ कर दिया जायेगा. इसके लिए बाहर से किसी को नहीं लिया गया है बल्कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को ही प्रशिक्षित कर उन्हें ही संचालन की जिम्मेवारी दी जा रही है. हालांकि सूत्रों ने बताया कि एक वार रूम हेमंत सोरेन के कांके रोड स्थित आवास में पहले से ही संचालित है.

कांग्रेस मुख्यालय में बना है वार रूम

प्रदेश कांग्रेस का वार रूम रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में बना है. कांग्रेस मीडिया प्रभारी राजेश ठाकुर ने बताया कि लोकसभा में जहां भी हमारे प्रत्याशी हैं, वहां अलग से सोशल मीडिया का सेल बनाया जायेगा. इसकी तैयारी चल रही है.

झाविमो का वार रूम भी बन रहा है : झाविमो का वार रूम भी तैयार हो रहा है. झाविमो के पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि मुख्यालय स्तर से लेकर लोकसभा के स्तर पर वार रूम बनाया जायेगा. हमारे पास दो सीट हैं. दोनों सीटों पर वार रूम बन रहा है. इसका अलावा गठबंधन के सहयोगियों के लिए कार्यकर्ता सोशल मीडिया के जरिये सहयोग देंगे.

पलामू में इस बार स्थिति अलग

2014 में भाजपा के करीब नहीं था कोई भी प्रत्याशी

मनोज सिंह ▷ रांची

पलामू लोकसभा क्षेत्र में 2014 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के आसपास भी कोई प्रत्याशी नहीं थे. सभी छह विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी वीडी राम ने बढ़त हासिल की थी. श्री राम पुलिस सेवा की नौकरी के बाद पहली बार चुनाव लड़ रहे थे. श्री राम ने राजद प्रत्याशी मनोज कुमार को 2,63,942 मतों से हराया था. इस बार स्थिति अलग है. इस बार भाजपा का मुकाबला महागठबंधन से है. पिछली बार झारखंड विकास मोरचा और राजद के प्रत्याशी भी चुनाव में थे. इस बार यह सीट राजद के लिए छोड़ा गया है. घूरन राम को यहां से प्रत्याशी भी घोषित कर दिया गया है. इससे झाविमो और राजद का सम्मिलित वोट पर महागठबंधन की नजर होगी. पिछले चुनाव में राजद के प्रत्याशी मनोज कुमार थे. श्री कुमार को भी सभी विधानसभा सीटों पर अच्छा मत मिला था. वह दूसरे स्थान पर रहे थे, उनको कुल 212571 मिला था. तीसरे स्थान पर रहने वाले झाविमो प्रत्याशी घूरन राम को 156832 मत मिला था. कुल मिलाकर दोनों दलों को करीब 3,69,403 मत मिला था. भाजपा के प्रत्याशी को कुल 478513 मत मिला था.

भवनाथपुर व डालटनगंज में 90 हजार से अधिक मत मिला था : भाजपा प्रत्याशी श्री राम को भवनाथपुर और डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र में 90 हजार से अधिक मत मिला था. दोनों विधानसभा सीटों पर दूसरे स्थान पर रहनेवाले प्रत्याशियों से इनका करीब 40 हजार से अधिक मत था. विश्रामपुर में श्री राम को 76 हजार से अधिक मत मिला था, जबकि घूरन राम को 29 हजार के आसपास मत मिला था.

चार विस पर भाजपा का कब्जा : पलामू लोकसभा सीट में छह विधानसभा सीट (डालटनगंज, विश्रामपुर, छत्तरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर) है. इसमें चार सीटों पर भाजपा का कब्जा है. इसमें डालटनगंज के आलोक चौरसिया, विश्रामपुर से रामचंद्र चंद्रवंशी, छत्तरपुर से राधाकृष्ण किशोर तथा गढ़वा से सत्येंद्र नाथ तिवारी शामिल हैं. इन विधायकों की प्रतिष्ठा भी इस चुनाव में दांव पर होगी. इसके अतिरिक्त हुसैनाबाद सीट बसपा और भवनाथपुर की सीट भानुप्रताप शाही के कब्जे में है. फिलहाल बसपा ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, जबकि भानु प्रताप शाही को समर्थन करने का प्रयास सभी दल के प्रत्याशी करेंगे.

पहले चुनाव में भाजपा के वीडी राम की 2.63 लाख वोट से हुई थी जीत

2014 में विधानसभा वार मिले दलों को वोट

प्रत्याशी	पार्टी	मत
डालटनगंज		
घूरन राम	झाविमो	22616
मनोज कुमार	राजद	40696
वीडी राम	भाजपा	97603
विश्रामपुर		
घूरन राम	झाविमो	28822
मनोज कुमार	राजद	26326
वीडी राम	भाजपा	76091
छत्तरपुर		
घूरन राम	झाविमो	26508
मनोज कुमार	राजद	35771
वीडी राम	भाजपा	54124
हुसैनाबाद		
घूरन राम	झाविमो	18189
मनोज कुमार	राजद	34175
वीडी राम	भाजपा	67723
गढ़वा		
घूरन राम	झाविमो	33302
मनोज कुमार	राजद	41258
वीडी राम	भाजपा	86718
भवनाथपुर		
घूरन राम	झाविमो	27185
मनोज कुमार	राजद	33858
वीडी राम	भाजपा	93470

किस विधानसभा क्षेत्र में किस दल का विधायक

डालटनगंज : भाजपा, **विश्रामपुर :** भाजपा, **छत्तरपुर :** भाजपा, **हुसैनाबाद :** बसपा, **गढ़वा:** भाजपा , **भवनाथपुर :** नवजवान संघर्ष मोरचा

तीन पूर्व मुख्यमंत्री समेत पार्टी अध्यक्ष की प्रतिष्ठा दांव पर

प्रमुख संवाददाता ▷ रांची

लोकसभा चुनाव में भाजपा, झामुमो व झाविमो के अध्यक्ष ताल ठोकेंगे. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुवा चाईबासा से चुनाव लड़ेंगे. इसको लेकर भाजपा की ओर से प्रत्याशी की घोषणा हो चुकी है. झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का दुमका से चुनाव लड़ना तय है. हालांकि अब तक पार्टी की ओर से इसकी अधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है. झाविमो के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी कोडरमा से चुनाव लड़ेंगे. वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा खूंटी से चुनाव लड़ रहे हैं. इनके अलावा केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा हजारीबाग व सुदर्शन भगत लोहरदगा से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे. पूर्व डीजीपी वीडी राम पलामू सीट से चुनाव लड़ रहे हैं. हालांकि अभी तक कांग्रेस, झामुमो की ओर से प्रत्याशी की घोषणा नहीं की गयी है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत का रांची से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है. झाविमो विधायक दल के नेता प्रदीप यादव गोड्डा से चुनाव लड़ेंगे. इनके अलावा राजद की पूर्व अध्यक्ष अन्नपूर्णा देवी भाजपा में शामिल हो गयी हैं. वह भाजपा से कोडरमा सीट की दावेदार हैं. विभिन्न दलों के दिग्गज नेताओं पर पार्टी की साख भी चुनाव में लगेगी.

दिग्गज जिन पर होनी नजर

पार्टी अध्यक्ष	भगत (भाजपा)
पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन (झामुमो), लक्ष्मण गिलुवा (भाजपा), पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी (झाविमो)	पूर्व केंद्रीय मंत्री
पूर्व मुख्यमंत्री	सुबोधकांत सहाय (कांग्रेस)
अर्जुन मुंडा	पूर्व डीजीपी
केंद्रीय मंत्री	वीडी राम (भाजपा)
जयंत सिन्हा (भाजपा), सुदर्शन	विधायक दल के नेता
	प्रदीप यादव (झाविमो)